

शहर > अपडेट
परिदा सिंह भाजपा में शामिल

रांचीः बीजेपी ने बोकारो जिले में अपनी पार्टी को और मजबूत किया है। बोकारो जिले के दिग्गज राजनीतिक शिक्षियत रख। समरेंद्र की पुरावधि परिदा सिंह बीजेपी में शामिल हो रही है। रांची के प्रदेश कार्यालय में बाबूलाल मरांडी उन्हें संस्थाता ग्रहण करवाएँगे। मोके पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण भी माझूर हो रहा है। दरअसल कुछ दिनों पहले इस समरेंद्र सिंह की पूर्णतात्त्विक कार्यक्रम में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बोकारो सिंह समरेंद्र सिंह के आवास पर पहुंचे थे। वहाँ उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद विधायक बिरंची के साथ वो सेवरत थी सिंह ताना सिंह समरेंद्र सिंह के दूसरों बैठे। के आवास पर पहुंचे। वहाँ उन्होंने परिदा सिंह (माना सिंह की पार्टी) से मुलाकात की। बाताता जो रहा है कि परिदा बीजेपी में शामिल होने वाली स्क्रिप्ट उसी दिन लिख दी गयी थी।

शीतकालीन सत्र

झारखंड विधानसभा शीतकालीन सत्र को लेकर तैयारी पूरी

विपक्ष के सवालों का सरकार देखी माकूल जवाब: सीएम

►आमने-सामने होगा सत्र पक्ष और विपक्ष

राष्ट्रीय खबर

रांचीः झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार 15 दिसंबर से शुरू हो रहा है। विपक्ष के रूख से स्पष्ट लग रहा है कि सदन की कार्यवाही बेहद दी हुगमेंदर होगी। इधर सदन को शांतिपूर्ण संचालित करने के लिए गुरुवार 14 दिसंबर को झारखंड विधानसभा में बैठकों का दौर जारी रहा। दिन के 12 के करीब स्पीकर कक्ष में विधायक दल के नेताओं की बैठक हुई। वह पहले मौका था कि जब नेता प्रतिपक्ष इस बैठक में उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में हुई इस बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाड़ी के बयान से सफल लगता है कि सदन की कार्यवाही बेहद ही हंगमेदर नाथ मरतो ने 15 से 22 दिसंबर तक होने वाले शीतकालीन सत्र को चेंबर तक लाया।



को लेकर सत्र पक्ष और विपक्ष से सहयोग की अपील की और सदन की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से हो रही है। विधायक संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर अलाम ने नए नेता प्रतिपक्ष को बैठक में उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में हुई इस बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाड़ी को बयान से सफल लगता है कि सदन की कार्यवाही बेहद ही हंगमेदर नाथ मरतो ने 15 से 22 दिसंबर तक होने वाले शीतकालीन सत्र को चेंबर तक लाया।

सरकार के द्वारा की गई तैयारी की जानकारी देते हुए कहा जिस सत्र में बैश्नवी रहने के बाद विधायक दल की तैयारी में है। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाड़ी ने कहा है कि 4 साल के कामकाज से जनता इस तरह से उब चुकी है। वह इंतजार कर रहा है कि कब बैलैट पर मुहर लगाने का समय आएगा और बूथ-लूट की बुनियाद पर बीनी इस सरकार को बाहर का रास्ता दिखाएँ। बहरहाल 21 दिसंबर तक चलने वाले झारखंड विधानसभा के निवेशकों को एक वर्ष से भी कम समय में और कुछ मामलों में छह महीने में भी अपना पैसा दिखाना करने का बचन देता है। योजना में दूसरों को नाराकित करने वाले इनटर्टर को शानदार नकद प्रोत्साहन की पेशकश की जाती है - प्रत्येक 10 हजार के निवेश पर 200 रुपये। (शेष अगले अंक में)

उत्तराखण्ड के सुरंग में फंसे मजदूरों के नाम

गंदी राजनीति कर रहे सीएम हेमंत: बाबूलाल

राष्ट्रीय खबर

रांचीः पूर्व सीएम और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उत्तराखण्ड के एक सुरंग से बाहर निकाले गए झारखंड के श्रमिकों के नाम पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर अपनी बात भी रखी है। इसमें उन्होंने कहा है कि बाद करिए वो दिन, जब हेमंत सोरेन ने सुरंग में फंसे मजदूरों के नाम पर गंदी राजनीति कर के सुर्खियां बढ़ोरेंगी।

झारखंड में जल जीवन मिशन योजना में हो रही गड़बड़ी सांसद संजय सेठ का सदन में आरोप

राष्ट्रीय खबर

रांचीः सांसद संजय सेठ ने आज लोकसभा में झारखंड में जल जीवन मिशन में हो रही गड़बड़ी का मामला उठाया। संसदीय ने केंद्र सरकार से मामले में हस्तक्षेप करने और दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की। सांसद सेठ ने कहा कि सीएम नरेंद्र मोदी का यह प्रयास है कि देश के हर घर को, हर परिवार को नल के माध्यम से शुद्ध पानी मिले। योजना के लिए झारखंड को भी मोदी राजनीति करने वाले लगभग 10000 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करायी। दुर्दशा है कि झारखंड सरकार इस मिशन के क्रियान्वयन में रुचि नहीं दिखा रही है। इसकी शिकायतें आने लगी हैं। सांसद ने सुझाव दिया कि इसकी



आरोप लगाया कि जानवूडकर इस मिशन को प्लानिंग किया जा रहा है। कहीं एवेंटेकर 100-200 फॉट बोरिंग कर रहे हैं, तो कहीं पुरानी बोरिंग को जल जीवन मिशन करार्वाई की मांग भी केंद्र रक्कर से की। जवाब में केंद्रीय जलवायिकी की मंत्री ने बोरिंग से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी है। इसकी शिकायतें आने लगी हैं।

समीक्षा के लिए कमेटी बनाई जाए। ताकि योजना के क्रियान्वयन सही तरीके से हो सके। साथ ही ऐसे लोगों पर दोषियों पर कार्रवाई का प्रावधान है। हालांकि झारखंड सरकार के योजना का कार्य बता रहे हैं। जिससे इस मिशन को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके।

राजनीति > सरकार की योजनाओं को घर-घर ले जाएं झामुमो के कार्यकर्ता-विनोद पांडे

सीएम हेमंत सोरेन ने शुरू की 2024 चुनावों की तैयारी, सात जिले के पार्टी पदाधिकारियों में भरा जोश

राष्ट्रीय खबर

रांचीः मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चे के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने अपने आवास पर 7 जिलों के झामुमो पदाधिकारियों की बैठक की। इस बैठक की अहमियत का अंदाज़ इसी से लगाया जा सकता है कि रांची, रामगढ़, हजारीबाग, लाहरदगा, खंडा, सिमडेंगा और गुमला के केंद्रीय समिति सदस्य से लेकर पंचायत स्तर तक और पदाधिकारी बुलाए गए थे। मुख्यमंत्री ने सभी पदाधिकारियों से सरकार की जनकाल्पनिकारी योजनाओं को गंव-गंव तक ले जाने का आह्वान किया है। इसे लेकर आवास पर सात जिलों के झामुमो पदाधिकारियों के कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

बैठक में शामिल होकर बाहर निकले गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा। आज की बैठक से वह कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

बैठक में शामिल होकर बाहर निकले गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा। आज की बैठक से वह कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

बैठक में शामिल होकर बाहर निकले गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा। आज की बैठक से वह कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

बैठक में शामिल होकर बाहर निकले गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा। आज की बैठक से वह कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

बैठक में शामिल होकर बाहर निकले गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा। आज की बैठक से वह कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

बैठक में शामिल होकर बाहर निकले गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा। आज की बैठक से वह कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बारे बोरिंग की विधायक समिति के कार्यकर्ता तक से जल जीवन मिशन को कार्यवाही बतायी गयी है। ये उन जिलों के पदाधिकारियों के कार्यकर्ता जिनको गुमला के नुस्खे देने के बाद जिलों के बैठक में शामिल किया जाएगा।

संपादकीय

माजपा को खुद के आचरण
पर ध्यान देना होगा

हिं

दी पट्टी के तीन राज्यों में धमाकेदार जीत से भाजपा बढ़ गया है। उन्होंने अपने तुगाव प्रचार में जिन मतदाता वर्गों को अपना प्रमुख माना था, उनका सक्षमता भी उड़ गिला है। इसके बाद मी यह जाती है कि जिससे पूरा एक वर्ग ही मानसिक तुगाव पर आहत होता है या युद्ध को अपनावित महसूस करने लगता है। राजनेताओं द्वारा संदेशक मात्र-भागियाएं शब्दावर हो सकती हैं, लेकिन शायद ही कमी इससे यांत्रे बढ़ती है। एक उंतों जाति के व्यक्ति को एक आदिवासी व्यक्ति पर पंशाव करते हुए दिखाने वाले व्यक्ति को पर सर्वजनिक आक्रोश का जवाब देते हुए, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व्यक्ति को घर आमतित किया, उसके पर धौप और उससे यांत्री मानी। इस परिवर्तने 2019 में पांच साफां कर्मचारियों के पर धौप मंत्री के कार्य को दोहराया। फिर भी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ख्वारों के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार 2013 से 2022 तक उत्तराखण्डीय रूप से बढ़ते रहे हैं, जब उन्हें सबसे अधिक दिखाया गया है क्रमसः उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश।

एक सारांशी के अनुसार, पिछले साल यांत्री में अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के खिलाफ 15,368 अपराध हुए, जबकि मध्य प्रदेश 2020 से 2022 तक

अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराध में पहले स्थान पर रहा। दलितों के खिलाफ अपराध 2021 में 50,744 से बढ़कर पिछले साल 57,428 हो गए। अतीत जनता पार्टी शरित दो राज्यों में अत्याचार कृत निलाल कर सबसे अधिक है, और बिहार में भी बहुत अधिक दृढ़ हुई है। यह दोहरी विफलता है। प्रधान मंत्री का दावा है कि सभी की प्रगति उनको सरकार का आदर्श बनाता है। ठंडक इकट्ठे के लिए राज्यों की राज्यांतर की पास बढ़े गये हैं। इसका कमल यांत्री की इकट्ठों को पूरा करने का पूरा माना था, लेकिन बित्त और आदिवासी लोगों के खिलाफ अत्याचार कम होने के बजाय बढ़ गए हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि गैर-भाजपा राज्य सरकारों ने अत्याचार प्रदर्शन किया है; अगर ऐसा होता तो रिपोर्ट में इतनी बड़ी वृद्धि नहीं दिखती। उत्तर प्रदेश के लिए, राज्यांतर के लिए आदिवासी उत्तरी उपर्याक के मामले में शीर्ष राज्यों में से एक है, छत्तीसगढ़ में भी यह बढ़ा रही है। उंतों का वर्तन्त दृढ़तर परियोजना का हिस्सा है। इसके प्राप्ति वर्ष में हजार भूतीरन शिक्षण संस्थानों में दलित उंतों की आलोहता की बढ़ती सेवा इसका दुखद संकेत है। स्कूल और उच्च अध्ययन में एसीसी-एसटी सभी होने के उंतों के लिए छात्रवृत्ति धीरे-धीरे वापस लाना भी योंगी सरकार के लिए उन्हें गहरा है। फिर उन्हें भी यास तर पर आदिवासी और आंकड़ों की खिलाफ अत्याचार की प्रतिवर्तन आएगा? यांत्री इसमें आए आंकड़ों के अनुसार ही अरक्षण से लेकर कल्याण कार्यक्रमों का अनुपात आवंटित किया जाएगा? सबसे बढ़कर क्या यह पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें आगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। यद्यों से योगी लोहिया को जापानीका लोहिया के लिए भी अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। पूछा जा रहा है कि क्या यादव सरकार की योग्यताओं में सबसे ज्यादा हिस्सा यादवों के को मिलेगा? जातीय जनगणना का हाँसे बड़ा पर्याय बना दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें अगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया। दूसरे, एसीजी-एसटी सभी होने के उंतों के लिए उनकी लक्ष्य अरक्षण खत्म करना है। हम जानते हैं कि यह सच नहीं है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोगी को संघेवाचिक व्यवस्था के लिए नियमिति दिया है। राज्यों में यह अधिकार दिया कि वे पिछड़ा जातियों की सूची में जातियां प्रधानमंत्री आदिवासी और दलित की विवरण दिया है। इसके साथ एक संघर्ष शुरू हो सकता है। यह योगी लोहिया जी ने जाति तोड़ों को नेतृत्व उन्से लाने के लिए अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। पूछा जा रहा है कि क्या यादव सरकार की योग्यताओं में सबसे ज्यादा हिस्सा यादवों के को मिलेगा? जातीय जनगणना का हाँसे बड़ा पर्याय बना दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें अगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति के लिए उनकी लक्ष्य अरक्षण खत्म हो जाएगी। इसकी विवरण दिया जाएगा। यह योगी लोहिया को जापानीका लोहिया के लिए भी अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। पूछा जा रहा है कि क्या यादव सरकार की योग्यताओं में सबसे ज्यादा हिस्सा यादवों के को मिलेगा? जातीय जनगणना का हाँसे बड़ा पर्याय बना दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें अगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया। दूसरे, एसीजी-एसटी सभी होने के उंतों के लिए अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। पूछा जा रहा है कि क्या यादव सरकार की योग्यताओं में सबसे ज्यादा हिस्सा यादवों के को मिलेगा? जातीय जनगणना का हाँसे बड़ा पर्याय बना दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें अगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया। दूसरे, एसीजी-एसटी सभी होने के उंतों के लिए अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। पूछा जा रहा है कि क्या यादव सरकार की योग्यताओं में सबसे ज्यादा हिस्सा यादवों के को मिलेगा? जातीय जनगणना का हाँसे बड़ा पर्याय बना दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें अगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया। दूसरे, एसीजी-एसटी सभी होने के उंतों के लिए अंतर्वर्दीध और भविष्य के चिन्हजाक संकेत मिलने लगते हैं। इसकी विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा किया गया है। अन्य पिछड़ों में सबसे ज्यादा यादव की आबादी 14.26 प्रतिशत बताई गई है। यादवों की इतनी बड़ी संख्या की कल्पना ज्यादातर को नहीं थी। उनकी आबादी 8-9 प्रतिशत मानी जा रही थी। इसलिए गणना की विश्वसनीयता पर अप्रूचित की ओर से भी प्रश्न खड़े किए जाते हैं। पूछा जा रहा है कि क्या यादव सरकार की योग्यताओं में सबसे ज्यादा हिस्सा यादवों के को मिलेगा? जातीय जनगणना का हाँसे बड़ा पर्याय बना दिया। दूसरे, किसी भी समुदाय पिछड़ा वर्ग, दलित या अनुसूचित जनजाति की संपूर्ण आबादी वर्चित नहीं होती। जिन्हें अगंगा कहते हैं। उनमें भी वर्चित और पिछड़े हैं। लोहिया जी ने जाति तोड़ों का नामा दिया

प्रदेश > अपडेट

चौकीदार दफादार

जिला कमेटी की बैठक

महेशपुर : मुख्यालय स्थित

झाकरगंगा पुलिसर में गुरुवार

को चौकीदार दफादार जिला

कमेटी का बैठक जिला अध्यक्ष

शिवु पहाड़िया की अध्यक्षता में

आयोजित की गई। बैठक में

कई प्रश्नावापन परिचय गया।

जिसमें सरकारी नियमानुसार

के तहत सभी चौकीदारों को

आपने अपने बीट पाए ही ड्यूटी

लगाया जाए। राज सरकार के

निर्देश के अनुसार चौकीदारों

को बैंक ड्यूटी एवं रस्टोक

ड्यूटी पर नहीं लगाया जाए।

एवं नगर परिषद के बार्ड नंबर 17

में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के

किस्मतकदमसार पंचायत,

पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम

पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के

तालझारी पंचायत, महेशपुर प्रखंड

के बाबुपुर पंचायत, हिरण्यु प्रखंड

के महेशपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के

धर्मखापाड़ा की अध्यक्षता में

खेलकुद एवं खेल कार्य

विभाग, झारखण्ड सरकार के

झारखण्ड सरकार के द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री

आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया। प्रतियोगिता का

उद्घाटन सहायक समाहर्ता

डॉ कृष्णांकन कनवाड़िया व

जिला परिवहन उत्पाद्यक श्री

अशोक कुमार भगत के

द्वारा किया गया। मौके पर

फुटबॉल प्रतियोगिता में

पुरुष वर्ग में पाकुड़िया

प्रखंड ने अमड़ापाड़ा प्रखंड को 5-0 से

महेशपुर प्रखंड को 2-1 से, लिह्नापाड़ा

प्रखंड ने गत वर्ष की राज्य

स्तरीय विजेता पाकुड़ प्रखंड को 3-0 से एवं बालाकों वर्ग में

लिह्नापाड़ा प्रखंड ने

पेनालटी शूट आटड में

महेशपुर प्रखंड को 1-0 से

पराजित कर प्रतियोगिता के

अगले चक्र में प्रवेश की।

मौके पर सहायक समाहर्ता

डॉ कृष्णांकन कनवाड़िया ने

अपने सदोधन में

खिलाड़ियों को बेहतर खेल

के प्रदर्शन की बात कहते

हुए जिले का नाम रोशन

करने की शुभकामना दी।

संक्षिप्त > अपडेट

माउंटेन ब्लू एस्ट्रोरेट से

1900 बोतल शराब जम

हरिहरगंज : उपायुक्त पलामू

के प्रश्नावापन तथा उत्पाद

अधिकारी के परिवेशन में थाना

क्षेत्र के सूलानी स्थित माउंटेन

ब्लू एस्ट्रोरेट एंड बार अनुसामि

सख्त 004-010-10-10-10 में

छपामारी कर कर्तव्यों में

रखा विदेशी ग्रांड के 1900

बोतल विदेशी शराब व विवर

जस किया गया। साथ ही बार

संचालक बिहार राज्य के

दिवार थाना अंतर्गत

किशुनीया निवासी विवेशर

यादव को परिवर्ताकर जेल

भेज दिया गया है। इस संबंध

में उत्पाद विवर के एसप्राइ

अनूप प्रकाश ने हरिहरगंज

थाना में प्राथमिकों का ठांचा

15/12/2023 दर्ज किया गया है।

अपैर रुप से विदेशी शराब का

भड़ारण करने के आरोप में

गिरपत्रार व्यक्ति सहित

ओरगाबाद निवासी सुधीर सिंह

को आरोपी बनाया गया है।

प्राथमिक के अनुसार प्रूषात्मा

के प्रदर्शन के लिये बालाकों

प्रमंडल की भौगोलिक एवं

वर्षमान तरस्तुशिति से अवगत

कराया। आयुक्त के सचिव

अरविंद कुमार उपायुक्तेश

कल्याणी राज्यालय से आयोजित

परिवहन विवर के लिये

तिवारी राज्यालय से आयोजित

रजन, नाजिर प्रेम धीरज कुमार

आदि ने गुलदस्ता भेंजे कर

आयुक्त का सांसार किया।

शिविर

पंचायत एवं नगर परिषद के वार्ड में आयोजित हुआ शिविर

कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

समस्या एवं मांग का आवेदन भी प्राप्त किया गया।

विभिन्न विभागों के किया गया परिसंपत्तियों का वितरण

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़ : राज सरकार के निर्देश पर आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत गुरुवार को पाकुड़ जिला तालिंगत तक कुल 5 पंचायतों एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में शिविर किया गया।

जिला कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार



कल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी योजनाओं की जिला कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार

पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जिला कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार

पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार

पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार

पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मखापाड़ा एवं नगर परिषद के वार्ड नंबर 17 में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसके तहत पाकुड़ प्रखंड के किस्मतकदमसार

पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के बनोग्राम पंचायत, लिह्नापाड़ा प्रखंड के तालझारी पंचायत, हिरण्यु प्रखंड के बाबुपुर पंचायत, धर्मख

